695

HD-01

December - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी पद्य भाग–I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper - HD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर को आप एक शब्द, एक वाक्य अथवा अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कर सकते हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) सिद्ध कवियों का संबंध बौद्ध धर्म की किस शाखा से माना जाता है?

(ii) आचार्य रामचंद्र, शुक्ल ने 'आदिकाल' का क्या नामकरण किया था?

(iii) ''बारह बरस लौ कूकर जीवै, अरु तेरह लौ जियै सियार।
बरस अठारह क्षत्रिय जीवै, आगे जीवन कौ धिक्कार।।''
इन पंक्तियों में किस रस की उद्‌भावना होती है?

(iv) निर्गुण भक्तिधारा की दोनों धाराओं का नाम लिखते हुए उनके एक प्रतिनिधि कवि का नाम लिखें।

(v) तुलसीदास का 'रामचरितमानस' किस भाषा में रचित है?

(vi) केशवदास के रामचरित पर आधारित काव्यग्रंथ का नाम बताइए।

(vii) बिहारी का मुक्तक काव्य किस छंद में मिलता है?

(viii) रीतिबद्ध काव्यधारा के 2 प्रतिनिधि रचनाकारों के नाम लिखिए।

(ix) 'अम्बर पनघट में डुबो रही, तारा घट उषा नागरी' – इस काव्यपंक्ति में कौन सा अलंकार है, समझाइए।

(x) श्रुतिकटुत्व दोष किसे कहते हैं?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

चदरिया झीनी रे झीनी,
ये राम नाम रस भीनी चदरिया झीनी रे बीनी।
अष्ट कंवल का चरखा बनाया, पांच तत्व की पूनी।
नौ दस मास बुनन कूँ लागै, मूरख मैली कीनी।
जब मेरी चादर बन घर आई, रंगरेज को दीनी।
ऐसा रंग रंगा रंगरे ने, लाल लाल कर दीनी।
ध्रुव प्रह्लाद सुदामा ने ओढ़ी, सुखदेव ने निरमल किनी।
दास कबीर ने ऐसी ओढ़ी, ज्यों की त्यों धर दीनी।।

3) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

ऊधो, मन नाहीं दस बीस।
एक हु तो सो गयो स्याम संग, को आराधै ईस।
देह अति शिथिल सबै माधव बिनु, जथा देह बिन सीस।
स्वासां अटकि रही असा लगि, जीवहिं कोटि बरीस।
तुम तो सखा स्याम सुंदर के, सकल जोग के ईस।
सूरदास रसिकन की बतियाँ पुखौ मन जगदीस।।

4) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित दुति होइ।।
बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै भौंहनि हंसै, देन कहै नटि जाय।।

5) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मनहुँ कला ससि भानं, कला सोलह सो बन्निय।
बाल वेस ससिता समीप, अम्रत रस पिन्निय।
विगसि कमल म्रिग भ्रमर, बैन खंजन म्रिग लुट्टिय।
हीर कीर अरु बिम्ब, मोति नष सिष, अहिघुट्टिय।
छत्रपति गयंद हरि हंस गति, विह बनाय संचै सचिय।
पदमिनिय रूप पदमावतिय, मनहुँ कांम कामिनि रचिय।।

6) आदिकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

7) मीराबाई की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

8) घनानंद रीतिमुक्त धारा के प्रतिनिधि कवी हैं – सिद्ध कीजिए।

9) 'अलंकार' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उपमा एवं रूपक अलंकारों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) मलिक मुहम्मद जायसी सूफी काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं – सतर्क प्रमाणित कीजिए।

11) तुलसीदास की रचनाओं का परिचय देते हुए उनकी भक्ति भावना पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

12) 'रीति' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताओं पर निबंध लिखें।

13) टिप्पणी लिखिए। (प्रत्येक 5 अंक)

(i) कबीरदास का काव्य

(ii) रहीम के नीतिपरक दोहे

(iii) शब्द शक्ति

(iv) रस की परिभाषा और उसके अवयव